प्रतिवेदन

एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण

आकाशवाणी एवं दूरदर्शन केंद्र शिमला

8 दिसंबर, 2022 को राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला की 'हिंदी साहित्य परिषद' की छात्राओं के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन हिंदी विभाग में कार्यरत सहायक आचार्य डॉ0 निशा चौहान द्वारा आकाशवाणी एवं दूरदर्शन केंद्र शिमला के लिए किया गया।प्रसार भारती के इन दोनों घटकों ने जहां एकओर देश के दूरदराज क्षेत्रों तक अपनी पहुंच बनाकर देश की जनता को सूचना, शिक्षा एवं मनोरंजन प्रदान कर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी सुनिश्चित की है वहीं दूसरी ओर जनसंचार के इन माध्यमों ने हिंदी में समाचार, वार्ता, गीत- संगीत, साहित्य, संस्कृति,शिक्षा, मनोरंजन तथा सामाजिक सरोकारों के विभिन्न कार्यक्रम प्रसारित कर हिंदी को राष्ट्रीय एवं वैश्विक संदर्भ प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आकाशवाणी और दूरदर्शन की बहुविध प्रासंगिकता को देखते हुए तथा इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को आं कते हुए छात्राओं को इनकी संरचना एवं कार्य प्रणाली की जानकारी देने तथा तृतीय वर्ष की छात्राओं को लगे कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम 'समाचार संकलन, लेखन एवं प्रसारण' के तहत समाचार संकलन, लेखन, संपादन एवं प्रसारण की व्यवहारिक जानकारी देने के उद्देश्य से यह एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। राजकीय कन्या महाविद्यालय से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित इन केंद्रों के लिए राजकीय कन्या महाविद्यालय की 34 छात्राओं का दल डॉ0 निशा चौहान के नेतृत्व में प्रातः 10:30 बजे महाविद्यालय से पैदल रिज मैदान होते हुए प्रातः 11: 00बजे स्कैंडल प्वाइंट पहुंचा, जहां छात्राओं ने खूब सारे फोटो लिए। यह पॉइंट शिमला का आकर्षण केंद्र है।

आकाशवाणी शिमल

स्कैंडल प्वाइंट शिमला

इसके पश्चात कालीबाड़ी मंदिर के रास्ते पैदल चलते हुए 'माता श्यामला' के दर्शन के पश्चात रेलवे बोर्ड की खूबसूरत विशालकाय ऐतिहासिक इमारत के साथ से गुजरते हुए विधानसभा परिसर पहुंचे, जहां चुनावी रुझानों को सुनने के लिए काफी भीड़ उमड़ी थी। छात्राओं नेवहां खूब सारे छायाचित्र लिए औरफिर दोपहर 1:30बजे चौड़ा मैदान में स्थित

आकाशवाणी शिमला में पहुंचे।

कालीबाड़ी मंदिर शिमला के रास्ते

रेलवे बोर्ड शिमला

विधानसभा परिसर शिमला

वहां आकाशवाणी के वरिष्ठ उद्घोषक श्री हुकम शर्मा जीडॉ0 निशा चौहान के पूर्व परिचित थे उन्होंने हमारी हर तरफ से मदद की और हमारा मार्गदर्शन किया। उन्होंने हमारे लिए आकाशवाणी में अंदर जाने की अनुमति ली और आकाशवाणी के अंदर का भ्रमण करवाया। 16 जून,1955 को स्थापित आकाशवाणी शिमला के सभी मुख्य विभागों, स्टूडियो से उन्होंने छात्राओं को परिचित करवाया। सर्वप्रथम वे हमें आकाशवाणी के मुख्य अनुभाग (कार्यक्रम अनुभाग) अर्थात कंट्रोल रूम तथा तकनीकी अनुभाग में ले गए जहां पर वार्ता, गीत-संगीत, ड्रामा, बच्चों- बुजुर्गों- महिलाओं के कार्यक्रम व समाचार या यूं कहिए सभी सामान्य एवं विशिष्ट कार्यक्रम के प्रसारण का नियंत्रण होता है। उन्होंने वहां हमें टेक्निकल इंजीनियर विक्रम चौहान से मिलवाया, जिन्होंने कार्यक्रम को प्रसारित करने की तकनीक को अच्छे से समझाया।

आकाशवाणी के वरिष्ठ उद्घोषक हुकुम शर्मा जी के साथ

टेक्निकल इंजीनियर विक्रम कुमार जी के साथ

शर्मा जी ने हमें आकाशवाणी के दूसरे अनुभाग समाचार एकांश(News unit) से भी परिचित करवाया, जो समाचार संपादन और प्रसारण का कार्य देखता है।वहां समाचार एकांश के प्रभारी संपादकीय प्रमुख श्री रितेश कपूर, फील्ड रिपोर्टर सुंदरलाल तथा वह अन्य कई कर्मचारियों से मिलवाया। संपादकीय प्रमुख श्री रितेश कपूर जी से हमें जानकारी मिली कि आकाशवाणी में समाचारों को प्रसारित करने की अवधि 5 और 10 मिनट की होती है। पूरे प्रदेश में आकाशवाणी के रिपोर्टर रहते हैं जो दिनभर सैंकडों सूचनाएं ई-मेल करते रहते हैं, लेकिन उनमें से केवल उन्हीं सूचनाओं को समाचार में स्थान दिया जाता है जो स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर बेहद महत्व की हो अर्थात सार्थक हो।रेडियोसमाचारों के प्रसारण की कम अवधि के होने कारण समाचार को संक्षिप्त रूप में लिखाजाता है। रेडियो समाचारों को हर तरह से श्रोता के अनुरूप बनाना पड़ता है। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि समाचार

की भाषा एकदम सरल हो और वाक्य छोटे हो, ताकि समाचार वाचक आसानी से बोल पाए और श्रोता सुनकर आसानी से समझ पाए। रेडियो समाचारों में एक मिनट में सौ से अधिक शब्द बोले जा सकते हैं। आकाशवाणी के समाचार स्त्रोतों के संबंध में कपूर जी ने यह भी जानकारी दी कि मुद्रित पत्रकारिता के समाचार संकलन और उसके समाचार स्त्रोतों का प्रयोग आकाशवाणी भी करता है , परंतु आकाशवाणी में समाचार संपादन की विधि बिल्कुल अलग रहती है। रेडियो समाचारों के प्रमुख अंश बुलेटिन के आरंभ और अंत में सुनाए जाने की परंपरा है, इसलिए समाचार के प्रथम अनुच्छेद और अंतिम अनुच्छेद में इन्हें सजा कर रखा जाता है ताकि समाचार वाचक को कोई असुविधा ना हो। समाचार बड़े अक्षरों में स्टैंडर्ड A4 साइज के कागज में एक तरफ लिखे जाते हैं और शब्दों पर विशेष जोर देने के लिए उसके नीचे लाइन खींची जाती है, ये सब उन्होंने हमें प्रत्यक्ष रूप में दिखाया भी है।

संपादकीय प्रमुख श्री रितेश कुमार जी एवं अन्य अधिकारियों से समाचार संकलन लेखन एवं संपादन की जानकारी लेते हुए

इसके पश्चात वरिष्ठ उद्घोषक यानी हमारे मार्गदर्शक श्री हुकम शर्मा जीहमें समाचार प्रसारण स्टूडियो में ले गए, जहां सभी छात्राओं ने समाचार वाचक श्रीमती प्रभा शर्माको समाचार वाचन करते हुए देखा। सचमुच यह एक अद्भुत एवं रोचक अनुभव था। हर खबर अलग- अलग कागज पर साफ-साफ मोटे अक्षरों में लिखी थी और वहां पर एक अन्य समाचार वाचक श्रीमती राजकुमारी हर एक कागज को समाचार वाचक को पढ़ने के लिए पकड़ा रही थी ताकि कागज के पलटने तक की ध्वनि ना आए। एकदम से शांत वातावरण था वहां। समाचार वाचन के पश्चात हमने उनसे समाचार वाचन की बारीकियों को समझा और उन्होंने हमें बताया कि आकाशवाणी से दिन में चार बार प्रादेशिक समाचार प्रसारित होते हैं- सुबह का प्रसारण 9:20 बजे पांच मिनट का, दोपहर 3:00 बजे दस मिनट, शाम 6:00 बजे पांच मिनट तथा शाम 7:45 बजे दस मिनट का होता है और समाचार वाचक एक प्रशिक्षित विशेषज्ञ होता है ,जो समाचार वाचन की कला में निपुण होता है।

समाचार वाचक से प्रसारण की जानकारी देते हुए

शर्मा जी ने हमें ड्यूटी रूम भी दिखाया , जहां प्रसारित होने वाले सभी कार्यक्रमों का विवरण रहता है। वहां पर हमने लॉग बुक और Q Sheet भी देखी। लॉग बुक में कार्यक्रमों का ब्यौरा था तथा Q Sheet में मिनट टू मिनट कार्यक्रमों का विवरण था । शर्मा जी ने हमें जानकारी दी कि यह क्यू शीट ड्यूटी रूम, कार्यक्रम अनुभाग (कंट्रोल रूम), समाचार एकांश (News unit)के अतिरिक्त उद्घोषक के पास भी होती है, जिससे कार्यक्रम प्रसारण में तालमेल बना रहता है।उन्होंनेहमें आकाशवाणी के पांचों स्टूडियो- वार्ता, संगीत, ड्रामा, प्लेबैक तथा एफ.एम (FM)भी दिखाए, जिनमें वार्ता, संगीत व ड्रामा स्टूडियो में मुख्य रूप से रिकॉर्डिंग होती है और प्लेबैक एवं एफएम से प्रसारण होता है। इन स्टूडियो में कंसोल से कार्यक्रम नियंत्रण होता और प्रसारण सामग्री सरवर और कंप्यूटर में होती है। रिकॉर्डिंग के लिए नेतिया और रीपर सॉफ्टवेयर का प्रयोग होता है। डॉ0 शर्मा ने हमें एफ एम (FM) से सैनिकों की फरमाइशों पर फिल्मी गीतों को प्रसारित करने का डेमोंसट्रेशन भीदिया।

वार्ता स्टूडियो

संगीत स्टूडियो

ड्रामा स्टूडियो

एफएम एवं प्लेबैक स्टूडियो

उन्होंने हमें आकाशवाणी के दोनों ट्रांसमीटरों 'एफएम (FM)और 'मीडिया वेव' की फ्रीक्वेंसीकी जानकारी देते हुए कहा कि एफएम ट्रांसमीटर की फ्रीक्वेंसी 103.7 मेगा हर्ट्ज है और मीडिया वेव की 387.6 मीटर 774 किलो हर्टज है।आकाशवाणी में छात्राओं को जानने और सीखने को बहुत कुछ मिला। उसके बाद 4:00 बजे हम आकाशवाणी से कुछ ही दूरी पर स्थित दूरदर्शन केंद्र शिमला की ओर गए। वहां के लिए जाते समय रास्ते में एक छोटे से खूबसूरत पार्क में छात्राओं ने स्लाइडिंग और झूले में खूब मजे किए।

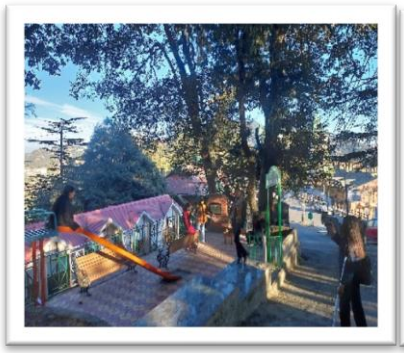

दूरदर्शन के रास्ते पार्क में स्लाइडिंगएवंझूले का आनंद लेती छात्राएं

दूरदर्शन केंद्र शिमला के लिए जाते हुए

आकाशवाणी की चढ़ाई चढ़ते- चढ़ते लगभग 5:00 बजे शाम को हम दूरदर्शन केंद्र पहुंचे। वहां कार्यरत राजेश सूद सहायक अभियंता ने हमारी हर तरह से मदद की और हमारे लिए दूरदर्शन में अंदर प्रवेश की अनुमति ली और हमारा उचित मार्गदर्शन भी किया। उन्होंने हमें अंदर की समस्त कार्य विधियों से अवगत करवाया। उस दिन सभी कर्मचारी वहां बहुत व्यस्त थे, क्योंकि उस दिन विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए जा रहे थे। चुनावी रुझानों को लेकर हर तरफ गहमागहमी थी। श्री राजेश सूद हमें सबसे पहले स्टूडियो रूम में ले गए और उन्होंने हमारे

फोन स्विच ऑफ कराए।

दूरदर्शन केंद्र शिमला

स्टूडियो रूम में लाइव प्रसारण चल रहा था। चुनाव रुझानों को लेकर 'जनादेश' नाम से लाइव चर्चा हो रही थी, जिसमें न्यूज़ एंकर के साथ सभी दलों के प्रवक्ता चुनावी रुझानों पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे थे। पहली बार छात्राओं ने इस तरह का लाइव प्रसारण देखा जो बेहद रोचक था। सारा स्टूडियो बेहद खूबसूरत था और उसमें बड़े-बड़े कैमरे, न्यूज़ रीडिंग के लिए पट्टिका, तारों के जंक्शन थे।बड़े-बड़े कैमरों से उनकी शूटिंग हो रही थी। वहां बेहद शांतिमय वातावरण था।उसके बाद श्री सूद हमें 'टेक्निकल रूम' में ले गए, वहां उन्होंने प्रसारण की तकनीकी विधि को समझाया कि किस तरह से जो भी कार्यक्रम प्रसारित होता है उसकी ध्वनि, फोटो व वीडियो की बारीकियों को नियंत्रित एवं परिष्कृत किया जाता है। उन्होंने हमें ड्रेसिंग रूम भी दिखाया जहां न्यूज़ रीडर व अन्य वार्ता के लिए आए लोगों का शूट से पहले मेकअप किया जाता है। उसके बाद वे हमें न्यूज़ रूम ले गए, जहां समाचारों का संकलन और संपादन हो रहा था और हमें श्री सुरेश कुमार शर्मा असिस्टेंट न्यूज़ एडिटर तथा कई लोगों से मिलाया। वहां उन्होंने हमें दूरदर्शन में समाचारों के प्रसारण के संबंध में बताया कि दूरदर्शन में समाचारों का चित्रात्मक, तथ्यात्मक और संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण होता है तथा दूरदर्शन संवादाता समाचार संकलन अपनी टीम के माध्यम से करता है, जिसमें कैमरा, प्रकाश और माइक्रोफोन जैसे उपकरणों के उपयोग और संचालन के लिए उसके साथ पूरी टीम रहती है।दूरदर्शन में समाचारों के संग्रह के पश्चात प्राप्त समाचारों में से प्रासंगिक, जन उपयोगी एवं सार्थक समाचारों को ही चुना जाता है । दूरदर्शन में समाचार के संबंध में उन्होंने जानकारी दी कि दूरदर्शन समाचार लेखन तथा प्रसारण एक टीम वर्ग है और सामूहिक क्रिया है तथा दूरदर्शन में समाचार के दो पक्ष निर्माण पक्ष और प्रस्तुति पक्ष है जिनमें निर्माण पक्ष चयनित समाचारों को लिखता है और उन्हें प्राप्त चित्रों के साथ समायोजित करता है तथा उन्हें दूरदर्शन पर पढ़ना अर्थात प्रसारित करना प्रस्तुति पक्ष के अंतर्गत आता है। निर्माण पक्ष में संवादाता, समाचार संपादक, तकनीकी कर्मचारी, कैमरामैन इत्यादि सक्रिय भूमिका निभाते हैं और चित्रों के साथ तालमेल बिठाते हुए उसे दूरदर्शन पर प्रसारित करने में समाचार वाचक और कैमरामैन की प्रमुख भूमिका होती है। इस प्रकार से सामूहिक प्रयास से दूरदर्शन सामग्री ध्वनि और दृश्यों में समंजित होकर जन समुदाय तक पहुंचती है। दूरदर्शन शिमला दिन में चार समाचार प्रसारण करता है जो दोपहर 3:00 बजे, 4:00 बजे, शाम 5:15 व बजे 6:30

बजे चलते हैं, इनमें पहले तीन समाचार प्रसारण 15-15 मिनट के और अंतिम समाचार प्रसारण 30 मिनट का होता है। दूरदर्शन में सारे कार्यक्रम दोपहर 3:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक चलते हैं। दूरदर्शन शिमला में समाचार के अतिरिक्त नृत्य- संगीत, विभिन्न प्रकार की वार्ताएं, समीक्षाएं, कृषि, शिक्षा तथा साहित्यिक कार्यक्रम चलते रहते हैं।लेकिन दूरदर्शन से मात्र 4 घंटे के प्रसारण को जानकर थोड़ा दुख भी हुआ, जबकि यहां से प्रसारण 24 घंटे चलना चाहिए था।हमने दूसरा स्टूडियो रूम भी देखा जहां पर विशेष रूप से समाचार वाचक या विशेष शख्सियत की वार्ता शूट की जाती है। यह भी बेहद खूबसूरत स्टूडियो है, जो आधुनिक तकनीक से बना है।

दूरदर्शन समाचार वाचक नीतू वर्मा के साथ

दूरदर्शनकेंद्र शिमला की कार्य विधियों से अवगत होने के पश्चात हमशाम6:15 बजे वहां से पैदल भ्रमण करते हुए विधानसभा भवन व रेलवे बोर्ड के रास्ते वापस स्कैंडल प्वाइंट पहुंचे। वहां हमने मिडल बाजार में भोजन किया और उसके बाद सभी छात्राएं अपने- अपने अभिभावकों के साथ अपने घर चली गई। सचमुच इस एक दिवसीय भ्रमण में छात्राओं ने रेडियो और दूरदर्शन से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम के बारे में बहुत कुछ जाना और साथ ही समाचार संकलन, संपादन और प्रसारण की बारीकियों को प्रत्यक्ष रूप से देखा भी है। इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से

भी छात्राएं परिचित हुई और उनमें इस क्षेत्र के प्रति

स्कैंडल प्वाइंट एवं नगर निगम शिमला

विशेष रूचि भी जागृत हुई। इस शैक्षणिक भ्रमण से उन्हें अपने पाठ्यक्रम में लगे 'समाचार संकलन लेखन, संपादन एवं प्रसारण' विषय को व्यावहारिक रूप से समझने में काफी मदद मिली है। निश्चित रूप से शिमला की हसीन वादियों में स्थित आकाशवाणी एवं दूरदर्शन केंद्र शिमला के लिए आयोजित यह एक दिवसीय पैदल शैक्षिक भ्रमण छात्राओं के लिए बेहद आनंदमयी एवं ज्ञानवर्धक रहा है, उनमें आत्मविश्वास, आपसी सद्भाव एवं नेतृत्व की भावना जागृत करने वाला रहा है, जो उनकी विद्यार्थी काल की मधुर स्मृतियों में सदैव जीवित रहेगा।

हम आभारी हैं इस महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ0 रुचि रमेश जी की जिन्होंने इस एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण में जाने की हमें अनुमति दी और हमारी वित्तीय सहायता की ।साथही इन केंद्रों में हमारे मार्गदर्शन के लिए आकाशवाणी शिमला के वरिष्ठ उद्घोषक श्री हुकम शर्मा एवं दूरदर्शन में तकनीकी अभियंता श्री राजेश सूद व वहां के अन्य सभी कर्मचारियों का भी बहुत-बहुत धन्यवाद।विभागाध्यक्ष डॉ0 सुरेंद्र शर्मा का भी हमें पूर्ण सहयोग देने के लिए हार्दिक धन्यवाद।

ढ

मधुर स्मृतियां

प्रस्तुतकर्त्री:-को प्रस्तुत:-

संयोजक हिंदी साहित्य परिषद

डॉ0 निशा चौहान

सहायकआचार्या- हिंदी विभागप्राचार्य

राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला

राजकीय कन्या महाविद्यालय सहायक,